Regarding scarcity of Urea

श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे **(**रामटेक**) :** सभापति महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, संतरा और मिर्ची की फसल होती है । उसमें यूरिया, डीएपी,1026-18-10 इत्यादि यूरिया लगता है, लेकिन उस यूरिया बैग को इस सरकार ने 50 से 45 किलो कर दिया है । उसके बाद भी रबी और खरीफ की बुआई के समय यूरिया कम मिलता है, जिसके कारण किसानों को नुकसान होता है । प्लाईवुड बनाने के लिए यूरिया की कालबाजारी होती है जबकि सरकार के पास किसानों की मिट्टी की गुणवत्ता का पूरा डाटा है, फिर भी उन्हें जबरदस्ती लिंकिंग प्रोडक्ट बेचे जा रहे हैं, इससे खर्च में बढ़ोत्तरी हो रही है और किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहा है ।

रासायनिक खाद बनाने की कंपनी को आदेश दिया जाए कि लिंकिंग प्रोडक्ट बेचने पर रोक लगायी जाए, मैं आपसे यही विनती करना चाहता हूं । सरकार किसानों के सम्मान निधि की बात करती है, लेकिन किसानों को जो राहत देना चाहिए, वह नहीं देती है । इस विषय को बहुत सारे सांसदों ने भी उठाया है, लेकिन इसके ऊपर सरकार ने कुछ भी नहीं किया है ।